p>Title: Need to ban cultivation of B.T. Cotton and compensate the loss suffered by the farmers of Andhra Pradesh and Maharashtra due to failure of B.T. Cotton Crop.

श्री सुरेश रामराव जाधव : उपाध्यक्ष महोदय, पिछले साल काफी विरोध के बावजूद महाराट्र और आंध्र प्रदेश के किसानों को बी.टी. कॉटन उगाने के लिए कहा गया तथा उन्हें बताया गया कि यह फसल न केवल ज्यादा कपास का उत्पादन करेगी, बल्कि इस पर कपास में लगने वाले कीड़े बॉल वार्म का भी कोई असर नहीं होता। महाराट्र और आंध्र प्रदेश के सारे किसानों की फसल को बॉल वार्म कीड़े ने इस साल भी नुकसान पहुंचाया, इस कारण किसानों का कपास का उत्पादन आधा भी नहीं हुआ। बी.टी. कपास का पौधा बहुत छोटा और कमजोर रहा तथा उस पर कपास के रेशे की लम्बाई भी बहुत कम रही, इस कारण किसान बर्बाद हो गया है। किसानों को उनके द्वारा लगाई गई लागत का 60 प्रतिशत उत्पादन भी नहीं मिला।

अत: स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, इस सदन के माध्यम से मैं सरकार से अपील करता हूं कि वह इस संबंध में तुरंत ध्यान दे तथा किसानों को तुरंत क्षतिपूर्ति करने के साथ-साथ बी टी कॉटन पर पुन: जांच करवा कर तुरंत प्रतिबंध लगाया जाए। बी टी कॉटन बीज की देश में मार्केटिंग करने वाली महावायको मोनसान कंपनी से सभी किसानों को हर्जाना दिलाया जाए।